Publication Name: The Times of India
Publication Date: 18/02/2026
Edition: Ahmedabad
Page No: 4
CCM: 61.23

Shah unveils co-op projects worth ₹265cr

Gandhinagar: Union cooperation minister Amit Shah laid the foundation stones and inaugurated projects worth Rs 265.30 crore for the cooperative sector in Gujarat on Tuesday. He inaugurated the projects while chairing a meeting of cooperation department ministers of all states at Gandhinagar.

An official statement said a newly constructed ethanol distillery plant at Nandod in Narmada district, by Shree Narmada Sugar Industry Cooperative Society, for Rs 40 crore, was inaugurated. A 30MW power co-generation plant was also inaugurated at Nandod, along with an organic potash plant.

Shah also inaugurated a newly constructed warehouse and a whey protein concentration powder plant at Khatraj, Anand, by Amul (Kheda District Cooperative Milk Producers Union) at a cost of Rs 75 crore.

Foundation stones were also laid for warehouses at Savarkundla and Patan APMCs. TNN

Publication Name: Dainik Jagran
Publication Date: 18/02/2026
Edition: National
Page No: 3
CCM: 133.3

Amit Shah held a meeting with the Cooperative Ministers of the states

राज्यों के सहकारिता मंत्रियों के साथ अमित शाह ने की बैठक

अहमदाबाद, प्रेट्र : केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सहकारिता ढांचे को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श करने के लिए अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। एक बयान में कहा गया है कि बैठक में मौजूद मंत्रियों ने प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल, सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता लाने और सहकारी समितियों के जरिये किसानों की आय दोगुनी करने के बारे में विस्तार से चर्चा की। शाह के पास गृह मंत्रालय भी है। उन्होंने गुजरात में 265.30 करोड़ रुपये की अलग-अलग परियोजना का 'ई-डेडिकेशन' और शिलान्यास भी किया। उद्घाटन सत्र में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, राज्य विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मौजूद थे। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के 'सहयोग से खुशहाली' के दृष्टिकोण को पूरा करने के मकसद से शाह की अध्यक्षता में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के साथ गांधीनगर के महात्मा मंदिर में एक उच्च स्तरीय मंथन बैठक हुई। इस दौरान शाह ने सहकारिता के क्षेत्र में अलग-अलग राज्यों की बेहतर कामकाज प्रथाओं और अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 पर एक विशेष रिपोर्ट भी जारी की।

गांधीनगर में मंगलवार को मंथन बैठक के दौरान अमित शाह को पुष्पगुच्छ भेंट करते गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल। आइएएनएस

Publication Name: Dainik Jagran
Publication Date: 18/02/2026
Edition: Delhi
Page No: 15
CCM: 118.35

Cooperative Society for Retail Workers: Amit Shah

खुदरा कामगारों की बनेगी सहकारी समिति : अमित शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्र सरकार अब बढ़ई, प्लंबर, बिजली मिस्त्री और अन्य दिहाड़ी पर काम करने वाले छोटे कामगारों को भी सहकारिता से जोड़ने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में आयोजित राज्यों की सहकारिता मंत्रियों की बैठक में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन कामगारों का अक्सर शोषण होता है। इसलिए, उनकी सहकारी समितियां बनाकर उन्हें उचित और सम्मानजनक मेहनताना दिलाने की व्यवस्था की जाएगी।

शाह ने कहा कि केवल आर्थिक आंकड़े किसी देश को विकसित नहीं बनाते, बल्कि 140 करोड़ लोगों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलना ही असली विकास है और इसमें सहकारिता की बड़ी भूमिका है। आने वाले समय में देश

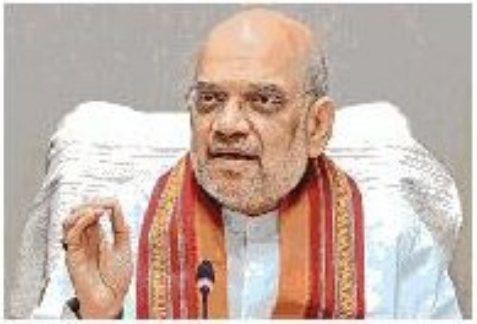

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ● फाइल

की 40 प्रतिशत से अधिक आबादी सहकारिता आंदोलन से जुड़ जाएगी। शाह ने गुजरात में इथेनाल, ऊर्जा, जैविक पोटाश, गोदाम और प्रोटीन पाउडर संयंत्र से जुड़ी 265 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।

शाह ने अन्न भंडारण क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया और कहा कि देश में अनाज भंडारण की व्यवस्था को तीन गुना तक बढ़ाने की आवश्यकता है, जिसमें से दो गुना विस्तार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से होना चाहिए।

Publication Name: The Pioneer
Publication Date: 18/02/2026
Edition: Lucknow
Page No: 2
CCM: 147.17

Prosperity through Cooperation: 5.4 Million Farmers Become Self-Reliant with M-PACS

सहकार से समृद्धि : एम-पैक्स से 54 लाख किसान बने आत्मनिर्भर

- योगी सरकार ने महाअभियान चलाकर सस्ती दरों पर उपलब्ध कराया फसली ऋण, उन्नत बीज और उर्वरक
- जिला सहकारी बैंकों में दो लाख से अधिक नए खाते खोले गए, 550 करोड़ की राशि खातों में जमा हुई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में सहकारिता आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में योगी सरकार के एम-पैक्स सदस्यता महाअभियान का व्यापक परिणाम दिख रहा है। अभियान के जरिए अब तक करीब 54 लाख किसान सहकारी ढांचे से जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़े हैं। योगी सरकार का फोकस बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (एम-पैक्स) से लोगों को जोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती वित्तीय और कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराना है। योगी सरकार द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत किसानों को कम ब्याज दरों पर फसली ऋण, उन्नत गुणवत्ता के बीज और उर्वरक उपलब्ध कराए गए। इससे खेती की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से जिला सहकारी

बैंकों में दो लाख से अधिक नए खाते खोले गए हैं। इन खातों में अब तक लगभग 550 करोड़ रुपये की राशि जमा कराई जा चुकी है। वहीं, सदस्यों की भागीदारी से 110 करोड़ रुपये की अंश पूंजी जुटाई गई जिसके आधार पर कुल 660 करोड़ रुपये की धनराशि सहकारी तंत्र में प्रवाहित हुई। इससे गांवों में ऋण प्रवाह बढ़ा है और छोटे किसानों को सहूलियतें आसान हुई हैं। योगी सरकार ने सहकारी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए सदस्यता प्रक्रिया को भी पूरी तरह डिजिटल किया है। अब एम-पैक्स से जुड़ने के लिए डिजिटल पोर्टल और मोबाइल आधारित पंजीकरण की सुविधा लागू कर दी गई है। इससे ग्रामीणों को घर के पास ही पंजीकरण और अन्य सेवाएं मिल रहीं हैं। देश में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एम-पैक्स का सदस्यता महाअभियान शुरू किया। यह सदस्यता महाअभियान दो चरणों में चलाया गया। पहले चरण की शुरुआत सितंबर 2023 में की गई, जिसमें बड़े पैमाने पर नए सदस्य जुड़े। दूसरे चरण का शुभारंभ सितंबर 2025 में किया गया, जिसमें अभियान को और गति मिली। सहकारी समितियों को मजबूत करना योगी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।